



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

पृ. 41

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 11, 1997 (आश्विन 19, 1919)

No. 41

NEW DELHI, SATURDAY OCTOBER 11, 1997 (ASVINA 19, 1919)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग IV [PART IV]

गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन और सूचनाएं  
[Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies.]

### NOTICE

NO LEGAL RESPONSIBILITY IS ACCEPTED FOR THE PUBLICATION OF ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES IN THIS PART OF THE GAZETTE OF INDIA. PERSONS NOTIFYING THE ADVERTISEMENTS/PUBLIC NOTICES WILL REMAIN SOLELY RESPONSIBLE FOR THE LEGAL CONSEQUENCES AND ALSO FOR ANY OTHER MISREPRESENTATION ETC.

BY ORDER

Controller of Publications

विनिमय के उपधारा में संघोधन

उपधारा नं. 3, 21, 59, 61, 72, 95, 182 तथा 362

उपधारा नियम-3-बाजार (मार्केट) को बंद करना।

प्रशासकीय (संचालक) बोर्ड एक विशेष प्रस्ताव और रिकार्ड में भिन्न हुए कारणों से सदाकाय के दिनों में अथवा अवकाश में लगे हुए दिनों में मार्केट बंद कर सकते हैं।

वर्तमान कि मार्केट लगातार कई दिनों तक, किसी समय भी, तीस दिनों से अधिक समय सुरक्षा (संरक्षित) और विनिमय बोर्ड अथवा एजेंसी की स्वीकृति लिए बिना बंद नहीं कर सकते :-

जब कि मार्केट को बंद होने को सुरक्षा जोखिम घटों के पहले सुरक्षा विनिमय बोर्ड भारत को, पहुंचाया गया हो जिससे कि संचालक बोर्ड उस मार्केट को लगातार तीन दिनों तक बिना स्वीकृति लिए बंद कर सकता है और भारत का विनिमय बोर्ड उस समय तक सुरक्षा और विनिमय बोर्ड इसकी जानकारी विनिमय को न दें।

उपधारा नियम : 21-प्रशासकीय (संचालक) बोर्ड लैन देने (कारोबार) को रोक सकता है :-

संचालन बोर्ड (प्रशासकीय) किसी भी सुरक्षा/सुरक्षाओं को लैन देने को/कारोबार को किसी भी कारण से बंद कर सकती

वर्तमान कि प्रस्तावित यंत्रोपकरण की स्थिति में, पूर्ण के, घटाने में अथवा कालस को भुगतान में अथवा दूसरे रकम के ब्यादे में, बदलाव में, उपविभाग में, आरक्षणों के संश्लेषित कारण में, पुनर निर्माण में अथवा के संश्लेषित वस्तुओं के पुनर्गठन में अथवा इसी प्रकार के अन्य परिस्थितियों पर कारोबार को लगातार तीन दिनों से अधिक समय तक सुरक्षा और विनिमय बोर्ड के प्रस्ताव के बिना कारोबार को रोकना नहीं चाहिए।

जब कि काराबार को बंद करने की जानकारी सुरक्षा विभाग और विनियम बोर्ड आफ इण्डिया सामान्य अवस्था में चौबीस घंटों के बीच दी गई हो, संचालन बोर्ड जैसे कि बार-बार कहा गया है, वह अपना काराबार तीन दिनों से अधिक समय तक अपना काराबार बिना स्वीकृति प्राप्त किए बंद रख सकती है। यह तब तक जब तक कि सुरक्षा और विनियम बोर्ड की जानकारी दी जान तक।

उप नियम नं. 59—संचालन समिति द्वारा अवधि बढ़ाने अथवा स्थगित करने का अधिकार।

इन उप नियमों और प्रस्तावों में जो कुछ उल्लिखित है उसका विरोध न करते हुए संचालन समिति विशेष प्रस्ताव से और समय-समय पर कारणों को रिकार्ड करके रखने के लिए गु-ते की अवधि को बढ़ाने अथवा उसको स्थगित करने का किसी भी सुरक्षा को जब कभी उसके विचार में (मत में) इस प्रकार का कदम उठाया जाता है, जिससे जनमत में, जिस में न्याय युक्त हो और व्यापार के उद्देश्यों की रक्षा हो और जब परिस्थितियां बाहर किसी एक के अथवा दोनों पार्टियों के कण्ट्रोल के बाहर हो जाती हैं, ऐसी स्थिति में इस प्रकार का कदम उठाना आवश्यक हो जाता है। बशर्ते कि सुरक्षा और विनियम बोर्ड की स्वीकृति के बिना गु-ते की कार्यवाही का किसी भी समय प्रहारा अथवा स्थगित नहीं किया जा सकता वह समय जो एक क्लियरन्स जो कि सुरक्षा को क्लियर किया गया हो और पहली दशा में चौदह दिनों की अवधि और उसके बाद तीन क्लियरन्स सुरक्षा के लिए मात दिनों की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

उपनियम 61—

क्लियरिंग बदलने और क्लियरिंग समूह (दिन)

संचालन समिति एक विशेष प्रस्ताव से विशेष कारणों से जिस रिकार्ड किया जाएगा किसी भी समय उसे समय-समय पर रद्द कर सकती है। अवधि बढ़ा सकती है, बदल सकती है, स्थगित कर सकती है, किसी दूसरे दिन के लिए/दिनों के लिये संपूर्ण क्लियरिंग अथवा किसी भी अथवा सभी प्रकार के विविध क्लियरिंग दिनों को किसी भी स्थिति में अथवा सभी क्लियर किए हुए सुरक्षा बशर्ते कि सुरक्षा और विनियम बोर्ड के बिना स्वीकृति के इस प्रकार की अवधि बढ़ाना अथवा स्थगित करना किसी भी समय एक क्लियरन्स की अवधि से अधिक नहीं बढ़ानी चाहिए।

क्लियर किए हुए सुरक्षा की दशा में पेंडिंग-डू की जो भौतिक क्लियरन्स के लिए दी गई हो अथवा जो अथवा स्थगित करना एक सप्ताह से बढकर समय के लिए संचालन समिति कयांगो समय निर्दिष्ट करेगी जिसे कि खरीददार बेचने वाले को, ऐसी सुरक्षाओं के लिए, स्थगितों के अग्रिम पर देगा।

उपनियम 72—काराबार

संचालन समिति का जब भी यह मत हो जाता है कि किसी एक सुरक्षा या सुरक्षाओं में कारनर पैदा किया गया हो केवल किसी एक का अथवा समूह की अभिकृति प्राप्त की गई है अथवा उस पर अपना अधिकार प्राप्त कर लिया गया हो उसे सामान्य पेंडिंग के लिए उपयोग वर्तमान गु-ते के आधार पर उपयोग में नहीं लानी चाहिए तावस्त कि उसका मूल्य पर अथवा और बिटरदी के आधार पर इस प्रकार की अभिकृति अथवा किसी समूह के आधार पर संचालन समिति काराबार को बंद करने की अनुमति देते समय अथवा इस समूह जो काटयावट है उसे नरम बनाने में इस सुरक्षा को बशर्ते कि उस पर कुछ पाबंदियां लगाई

जाएं जिसे कि वे निर्धारित करते जो कुछ भी इस के विरुद्ध हो जो कि इन नियमों अथवा प्रस्तावों में हो।

भावी काराबार को कभी भी तीन दिन से अधिक समय के लिए रोकना न जाए, जब तक कि संक्यूरिटी और विनियम बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त न हो।

जब कि काराबार को रोक थाम के लिए जो जानकारी दी जाए जो कि संक्यूरिटी और एक्सचेंज बोर्ड को चौबीस घंटों के भीतर पहुंचे, संचालन समिति काराबार को रोक सकती है लगातार किसी भी अवधि तक के लिए तीन दिनों के लिए संक्यूरिटी और एक्सचेंज बोर्ड की बिना स्वीकृति के, उस समय तक जब तक कि संक्यूरिटी और एक्सचेंज बोर्ड के निर्णय पर जिन की जानकारी एक्सचेंज को दी गई हो।

खरीदी पर रोक थाम

जब कि सामान के देने और रकम भरण की तारीख आपात काल में आए, तो संचालन समिति विशेष प्रस्ताव के द्वारा संक्यूरिटी खरीदी को स्थगित कर सकती है, जिसमें उप नियम (क) के तहत भावी काराबार को रोक जा सकता है, इस स्थिति में उप नियम में बताए गए टिकेट की विधा तथा प्रस्तावों को तथा दूसरे कार्य को जिसे कि संचालन समिति निर्दिष्ट करेगी, वे सभी इस समय के सभी काराबार को, काटयावट पर लागू होंगे।

खरीदी पर रोक थाम—उस आपातकाल तक चालू रहेंगा।

संचालन समिति समय-समय पर विशेष प्रस्ताव द्वारा खरीदी स्थगित कर सकती है जब तक आपात स्थिति हो, इसके पश्चात् ऐसी स्थिति में भावी काराबार इस संक्यूरिटी उसी स्थान पर अथवा हाथों हाथ दिए जाने वाली डिजीटरी की अनुमति दी जाती है, बशर्ते कि संचालन समिति जो भी उचित प्रतिबंध हो उसे लागू करती हो।

जब कि कोई ऐसी संक्यूरिटी जो कि साफ हो उसे साफ संक्यूरिटी सूची से हटाया जाए और पुनः उसे क्लीयर संक्यूरिटी सूची में पुनः सम्मिलित न किया जाए जब तक कि उसकी मूल्य विवरण न हो।

उपनियम 95—

क्लियरिंग विवरण—

विवरण अथवा एक्सचेंज संक्यूरिटी और विनियम बोर्ड को जैसे ही क्लियरिंग पूरी होगी अथवा निम्नीलिखित कोड भी विवरण जिसे कि संक्यूरिटी और एक्सचेंज बोर्ड को समय-समय पर इसकी आवश्यकता अनुभव करें।

- (1) संक्यूरिटी के हर श्रेणी की कुल संख्या जिस एक क्लियरन्स से दूसरे क्लियरन्स तक लिया गया हो।
- (2) हर श्रेणी के संक्यूरिटी की कुल संख्या संक्यूरिटी काटयावट जिस के संबंध में स्वीकार किया गया हो हर क्लीयरिंग के समय।
- (3) हर क्लियरिंग के समय हर कोटगरी की पूर्ण संख्या जिसकी डिजीटरी हो चुकी है। विनियम (एक्सचेंज) उपरोक्त सभी प्रकार के विवरणों को प्रकाशित करेगी, जिसे संक्यूरिटी और एक्सचेंज बोर्ड समय-समय पर निर्देश देगी।

## उपनिष-182

काराबार के बंद करने और स्थगित करने संबंधी—

संचालन समिति विशेष प्रस्ताव के द्वारा और ऐसे कारण जिन्हें रिकार्ड किया जाता है, उसके द्वारा खरीदी करना या बेचना रोक सकती है, स्थगित कर सकती है, किसी भी संव्यवृत्ति संबंधित और समय-समय पर उसकी अधीन बढ़ा सकती है अथवा स्थगित कर सकती है, जब परिस्थितियाँ उसकी अनुकूल दिखाई देती हैं, जो कि सामान्य वशा में उचित होती है। काटावर्स संबंधित सभी जिम्मेदारियाँ इन संव्यवृत्तियों में जिसे कि क्लियरिंग हो उसने निर्धारित किया हो व सभी इस स्थगित अथवा रोकें हुए अधीन में चालू रहेंगे।

माल के बंद होने और खरीदने का काराबार जब तक संव्यवृत्ति और एक्सचेंज बोर्ड की स्वीकृति प्राप्त नहीं होती, उसे रोकना नहीं जा सकता या स्थगित नहीं किया जा सकता किसी भी समय क्लियर किए हुए संव्यवृत्तियों के एक समय तक और पहली वशा में चौदह दिन तथा दूसरी अधीन मात दिन की अधीन तक नान क्लियरिंग संव्यवृत्तियों के लिए।

## उपनिष-362—नियमों में संशोधन

किसी प्रकार का संशोधन जोड़ना अथवा परिवर्तन प्रस्ताव में करना, जिसे संचालन तथा एक्सचेंज बोर्ड ने अपने अधिकार में उन उपनिषदों के आधार पर किया गया हो जो कि इनमें संबंधित हैं, उन्हें संव्यवृत्ति और एक्सचेंज बोर्ड को डाक द्वारा चौबीस घंटों के भीतर भेजना चाहिए। संचालन समिति साथ ही उसमें संशोधन करेगा, परिवर्तित करेगी अथवा वापिस लेगी, ऐसा कोई प्रस्ताव जिसे यदि संव्यवृत्ति तथा एक्सचेंज बोर्ड इंगितया चाहेंगे।

## AMENDMENT TO BYE-LAW NOS. 3, 21, 59, 61, 72, 95, 182 &amp; 362 OF THE BYE-LAWS OF THE EXCHANGE

## Bye-Law No. 3: Closure of Market

The Governing Board may by a special resolution and for reasons to be recorded close the market on days other than or in addition to holidays:

Provided that the market shall not be so closed at any time continuously for a period exceeding three days except with the approval of the Securities and Exchange Board of India:

Provided further that when information regarding closure of the market is so conveyed as to reach the Securities and Exchange Board of India in the normal course within twenty four hours the Governing Board may close the market as aforesaid continuously for any period exceeding three days without the approval of the Securities and Exchange Board of India till such time as the decision of the Securities and Exchange Board of India is communicated to the Exchange.

## Bye-Law No. 21: Governing Board may Prohibit Dealings

The Governing Board may prohibit dealing in any security or securities for any cause:

Provided that except in cases of proposed increase or reduction of capital or payment of calls or other monies or conversion or subdivision or consolidation of securities or reconstruction or reorganisation of the Company concerned or such or similar other circumstances dealings shall not be so prohibited at any time continuously for a period exceed-

ing three days except with the approval of the Securities and Exchange Board of India:

Provided further that when information regarding prohibition of dealings is so conveyed as to reach the Securities and Exchange Board of India in the normal course within twenty four hours the Governing Board may prohibit dealings as aforesaid continuously for any period exceeding three days without approval of the Securities and Exchange Board of India till such time as the decision of the Securities and Exchange Board of India is communicated to the Exchange

## Bye-law No. 59: Extension or Postponement of Contracts By the Governing Board

Notwithstanding anything to the contrary contained in these Bye-laws and Regulations the Governing Board may by a special resolution and for reasons to be recorded from time to time extend or postpone the time for performance of contracts in any security or securities whenever in its opinion such action is called for in the public interest or by just and equitable principles of trade or when circumstances beyond the control of either or both of the contracting parties make such action desirable:

Provided that except with the approval of the Securities and Exchange Board of India the time for performance of contracts shall not be so extended or postponed at any time for a period exceeding the period of one Clearing in the case of Cleared Securities and for a period exceeding fourteen days in the first instance and thereafter for a period exceeding seven days in the case of Non-cleared Securities.

## Bye-Law No. 61: Alteration of Clearing and Clearing Days

The Governing Board may by a special resolution and for reasons to be recorded at any time curtail, extend, alter or postpone from time to time to any other date or dates the entire Clearing or any or all of the various clearing days in respect of any or all of the Cleared Securities;

Provided that except with the approval of the Securities and Exchange Board of India such extension or postponement shall not be at any time for a period exceeding the period of one Clearing;

Provided further that if in the case of Cleared Securities the Pay-in Day notified for any Clearing is extended or postponed by a period beyond one week the Governing Board shall fix a cantango payable by the purchaser to the seller for such securities on the basis of the cantango of the preceding Clearing.

## Bye-Law No. 72: Corner

(u) Whenever the Governing Board is of the opinion that a corner has been created in any security or securities or that a single interest or group has acquired such control of any security or securities that the same cannot be obtained for delivery on existing contracts except at price or on terms arbitrarily dictated by such interest or group the Governing Board may by a special resolution prohibit further dealings in such security or securities while allowing dealings for closing out or liquidation of existing contracts in such security or securities subject to such restrictions as it may determine notwithstanding anything to the contrary contained in these Bye-laws and Regulations.

Provided that further dealings shall not be so prohibited at any time continuously for a period exceeding three days except with the approval of the Securities and Exchange Board of India:

Provided further that when information regarding prohibition of dealings is so conveyed as to reach the Securities and Exchange Board of India in the normal course within twenty four hours the Governing Board may prohibit dealings as aforesaid continuously for any period exceeding three days without the approval of the Securities and Exchange Board of India till such time as the decision of the Securities and Exchange Board of India is communicated to the Exchange.

**Suspension of Buying-in**

(b) If the due date of delivery and payment fall during the pendency of the emergency the Governing Board may by a special resolution suspend buying-in of the security or securities in which further dealings are prohibited under sub-clause (a) and in that event the process of Tickets as prescribed in these Bye-laws and Regulations or such other process as the Governing Board may determine shall apply to all existing contracts in such security or securities.

**Suspension of Buying-in to continue till Emergency Abates**

(c) The Governing Board may from time to time by a special resolution suspend buying-in till the emergency abates whereafter further dealings in such security or securities may be allowed for spot or hand delivery subject to such restrictions as the Governing Board deems fit to impose;

Provided always that if any such security be a Cleared Security it shall be removed from the Cleared Securities list and shall not be readmitted to the Cleared Securities list till there is a proper distribution.

**Bye-Law No. 95: Clearing Particulars**

The Exchange shall submit to the Securities and Exchange Board of India as soon as may be after each Clearing all or any of the following particulars as the Securities and Exchange Board of India may from time to time require namely:

- (i) the total number of each category of security carried over from one Clearing to another;
- (ii) the total number of each category of security contracts in respect of which have been squared up during the course of each Clearing; and
- (iii) the total number of each category of security actually delivered at each Clearing.

The Exchange shall arrange for the publication of all or any of the above particulars according as the Securities and Exchange Board of India from time to time directs.

**Bye-Law No. 182: Suspension or Postponement of Closing-out**

The Governing Board may by a special resolution and for reasons to be recorded suspend or postpone buying-in or selling-out in respect of any security or securities and from time to time extend or postpone the period of such extension or postponement when circumstances appear in its view to make such suspension or postponement desirable in the general interest. The liability of intermediaries in respect of contracts in such securities settled through the Clearing House shall continue during the period of such suspension or postponement.

Provided that except with the approval of the Securities and Exchange Board of India buying-in or selling-out shall not be suspended or postponed at any time for a period exceeding the period of one Clearing in the case of Cleared Securities and for a period exceeding fourteen days in the first instance and thereafter for a period not exceeding seven days in case of Non-Cleared Securities.

**Bye-Law No. 362: Amendments to Regulations**

Any amendments, additions or alterations to any Regulations made by the Governing Board in pursuance of the powers conferred by these Bye-laws together with a reference to the Bye-law or Bye-laws to which such Regulations relate shall be communicated to the Securities and Exchange Board of India by post within twenty four hours. The Governing Board shall forthwith amend, alter or withdraw any such Regulation if so desired by the Securities and Exchange Board of India.

For The Hyderabad Stock Exchange Limited.

Sd./-ILLEGIBLE  
Executive Director